This question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **6089**

Unique Paper Code : **205302** **G**

Name of the Paper : Sahitya-Chintan 2

Name of the Course : **B.A. (H.) Hindi**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. नाटक को परिभाषित करते हुए तत्वों के आधार पर उसका विवेचन कीजिए।

अथवा

कहानी के तत्वों का विवेचन कीजिए। 15

2. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) मुक्तछंद

(ख) रेखाचित्र। 7

3. लोकमंगल की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

बिम्ब से आप क्या समझते हैं ? उसके प्रकारों को सोदाहरण समझाइए। 10

P.T.O.

4. आधुनिकता एवं आधुनिक बोध का विवेचन कीजिए।

अथवा

काव्यानुभूति की अवधारणा पर प्रकाश डालिए। 10

5. विभावन व्यापार से आप क्या समझते हैं ?

अथवा

सहानुभूति और स्वानुभूति के अन्तर को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 10

6. 'प्रगतिशील साहित्य और भाषा की समस्या' निबन्ध के आधार पर रामविलास शर्मा की प्रगतिशील साहित्य-धारणाओं को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'काव्य में लोकमंगल' निबंध का संक्षेप प्रस्तुत कीजिए। 15

7. हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंध–'आधुनिक साहित्य : नई मान्यताएँ' का सार लिखिए।

अथवा

निम्नांकित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हमें सुन्दरता की कसौटी बदलनी होगी। अभी तक यह कसौटी अमीरी और विलासिता के ढंग की थी। हमारा कलाकार अमीरों का पल्ला पकड़े रहना चाहता था, उन्हीं की कद्रदानी पर उसका अस्तित्व अवलम्बित था और उन्हीं के सुख-दुःख, आशा-निराशा, प्रतियोगिता और प्रतिद्वन्द्विता की व्याख्या कला का उद्देश्य था। उसकी निगाह अन्तःपुर और बंगलों की ओर उठती थी। झोपड़े, खंडहर उसके ध्यान के अधिकारी न थे। उन्हें वह मनुष्यता की परिधि से बाहर समझता था। कभी इनकी चर्चा करता

था, तो इनका मज़ाक उड़ाने के लिए, ग्राम-वासी की देहाती वेष-भूषा और तौर-तरीकों पर हंसने के लिए। उसका शीन-काफ़ दुरुस्त होना या मुहाविरों का गलत उपयोग उसके व्यंग्य-विद्रूप की स्थायी सामग्री थी। वह भी मनुष्य है, उसके भी हृदय है और उसमें भी आकांक्षाएं हैं—यह कला की कल्पना से बाहर की बात थी। (साहित्य का उद्देश्य; प्रेमचंद)

(क) प्रेमचंद सुन्दरता की जिस कसौटी को बदलने की जरूरत महसूस कर रहे हैं, उसका स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'उसके भी हृदय है और उसमें भी आकांक्षाएँ हैं'—से क्या तात्पर्य है ? 4+4=8